

न्यायालय, श्रीमती बबली कुमारी, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू(राँची)


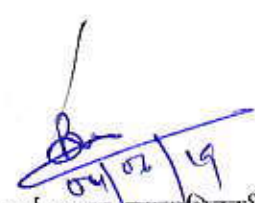
आदेश पत्रक

वाद सं०- 12-41 / 20.19

धारा-107 द०प्र०सं०

कौरलोन्दा देवी

बनाम कान्ती पुरान

आदेश की क्रम सं० एवं तारीख	आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई एवं टिप्पणी तारीख सहित
	<p>अभिलेख सं०-एग.....41...../20.19..... में द०प्र०सं० की धारा-107 के तहत थाना प्रभारी .....तमाड..... के अप्राथमिकी सं०-15/19..... दिनांक-16-05-19 के द्वारा प्राप्त पुलिस प्रतिवेदन/आवेदन से सूचना मिली है कि तमाड बनाम को०सं०- 05/19 दिनांक 27-1-19 धारा 323/324/307 भा०द०वि० के नामजद अभियुक्त के संबंधमें विधि व्यवस्था भंग होने की संभावना है।</p> <p>जिससे संभावना है कि परिशांति भंग होगी या लोक परिशांति क्षुब्ध होगी या उभय पक्ष/विपक्षी कोई ऐसा असंतोषकारी कार्य करेंगे जिससे परिशांति भंग हो जाएगी या लोक परिशांति क्षुब्ध हो जाएगी।</p> <p>अतः मैं बबली कुमारी, कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू (राँची) उक्त पुलिस प्रतिवेदन से संतुष्ट होकर उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध द०प्र०सं० की धारा-107 के अन्तर्गत कार्यवाही आरंभ करती हूँ। उभय पक्ष/द्वितीय पक्ष के विरुद्ध सूचना निर्गत करें कि वे कारण दर्शित करें कि उन्हें एक वर्ष तक परिशांति कायम रखने के लिए उरारसे/उनसे प्रत्येक को 1000(एक हजार) रू० का बन्ध पत्र उशी राशि के दो जमानतदारों के साथ राशि दाखिल करने हेतु आदेश क्यों नहीं दिया जाय।</p> <p>अभिलेख तिथि ..... 21/05/19 ..... को उपस्थापित करें।</p> <p>लेखापित एवं संशोधित।</p> <p> कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू (राँची)।</p> <p> कार्यपालक दण्डाधिकारी, बुण्डू (राँची)।</p>	

आदेश की क्रम सं० एवं  
तारीख


आदेश एवं पदाधिकारी का हस्ताक्षर

आदेश की गई  
कार्रवाई एवं दिनांकी  
तारीख सहित

23-03-20  
06-07-20

आभिलेखा उपस्थापित। उक्त वाद में  
6 (छः) माह की अवधि पूर्ण हो चुकी  
है अर्थात् वाद कालवापित हो गया है।  
अतः वाद में आभिलेख की कार्यवाही ~~के~~  
को बन्द किया जाता है।

  
कार्यदर्शन  
पृष्ठ

  
कार्यदर्शन  
पृष्ठ